**खबर संक्षेप**

### अवैध उत्खनन पर नहीं लग रही रोक

**मण्डला।** रानटोला बबलिया बीट 141 आरक्षित वन में अवैध रूप से मुरम उत्खन्न कर ले जाया जा रहा है। जिसकी रोकथाम करने में वन विभाग अमला असफल नजर आ रहा है। ग्राम सभा देवरी कला बबलिया शांति समिति के अध्यक्ष रमेश वरकड़े ने बताया कि कक्ष क्रमांक 141 में वनो की अवैध कटाई एवं उत्खनन अतिक्रमण आदि घटनाएं घटती होती हैं। लेकिन वन विभाग का अमला सोया रहता है। ग्रामवासियों ने कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायत की है। लेकिन कार्रवाई नहीं की जा रही है। बताया गया कि जहां मुर्रम खदान बनाई गई है वहां पर 4 साल पहले पौधारोपण किया गया था। पौधारोपण के लिए तार एवं खंभे लगाकर फेंसिंग कर दिया गया था। लेकिन मुर्रम का अवैध उत्खन्न करने वालो ने तार एवं खम्भे को तोड़कर अलग कर दिया। वहां पर मुर्रम खदान बन चुकी है। ग्रामीणों ने बाताया कि अभी हाल में एक व्यक्ति मंडप के लिए खाम की लकड़ी काट रहा था। जिस पर कार्रवाई कर दी गई। वहीं अवैध उत्खनन और कटाई पर रोक नहीं लग पा रही है।

### दलिया फैक्ट्री में सुलग रही आग पर दूसरे दिन पाया काबू

**मण्डला।** जिले के ग्राम रसैयादौना में दलिया फैक्ट्री में शनिवार सुबह करीब 11 बजे से आग लगी हुई है। नपा मंडला की फायर ब्रिगेड लगातार आग बुझाने के लिए प्रयास कर रही हैं। पानी डालने से आग ऊपर से तो बुझ जाती है लेकिन कुछ देर बाद पुनः सुलग जाती थी। जिसके बाद आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए मौके पर जेसीबी मशीन बुलाई गई है और गोदाम में रखा सामान बाहर निकाल कर पानी डाला गया। जिसके बाद दलिया फैक्ट्री में सुलग रही आग पर काबू पाया गया। जानकारी अनुसार दलिया फैक्ट्री के गोदाम में खाली जूट बैग, पोल्ट्री फीड और कोयला आदि रखा हुआ था जो तेज गर्मी की वजह से शनिवार को आग भड़क गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मंडला नगर पालिका की फायर टीम मौके पर पहुंच गई थीं और तब से ही आग पर काबू पाने के लगातार प्रयास जारी रहा। रविवार को बड़ी मशक्कत के बाद सुलग रही आग पर काबू पाया जा सका। बताया गया कि दलिया फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने में करीब 22 से अधिक दमकल के वाहन लगे। पानी डालने से आग ऊपर से तो बुझ रही थी, लेकिन अंदर ही अंदर आग सुलग रही थी, जिसके बाद जेसीबी मशीन की मदद से गोदाम का सामान बाहर निकाल कर पानी डाला गया। जिससे आग सुलगना बंद हो पाया।

### छात्रावास डूण्डासिवनी में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

**हरिभूमि न्यूज सिवनी।** अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी श्रीमान सतीश चंद्र राय के मार्गदर्शन में एवं श्री लक्ष्मण कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिवनी के निर्देशन में श्रीमती पायल परमार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी एवं सुश्री रंजना डोंडवे न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिवनी के द्वारा महाविद्यालयीन आदीवासी कन्या छात्रावास डूण्डासिवनी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में नालसा अंतर्गत योजना बच्चों के मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना, पास्को एक्ट, महिला हिंसा, बाल अपराध, निःशुल्क विधिक सहायता योजना के विषय में जानकारी प्रदान की गई।

## सूर्य की तेज तपन से बचने मंडी में इंतजाम नहीं

# कृषि मंडी में किसान परेशान, चिलचिलाती धूप में गुड़ बेचने मजबूर किसान

**मण्डला।** मंडला जिला गन्ने की खेती के लिये प्रसिद्ध हुआ करता था लेकिन जिले में संचालित दो खाण्डसारी चीनी मिल बंद होने के बाद इसका दायरा सीमित क्षेत्रों तक सिमट कर रह गया। गन्ने की खेती क्षेत्र में अब गिने चुने गांवों में ही की जा रही है। इसके पीछे प्रमुख कारण सरकार द्वारा किसानों को गन्ने की फसल के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है। गन्ने की खेती में लागत अधिक व फायदा कम होने के चलते क्षेत्र के किसानों का इस खेती से प्रत्येक साल मोह भंग होता जा रहा है। अगर समय रहते सरकार द्वारा कोई प्रोत्साहन नीति नहीं बनाई गई तो आने वाले कुछ वर्षों में मंडला जिले से इसकी खेती इतिहास के पन्नों में सिमट जायेगी।

बताया गया कि क्षेत्र के किसान अब गुड़ बनाने के लिए ही गन्ने की खेती कर रहे है, जो एक सीमित है, लेकिन गुड़ का भी वाजिव दाम किसानों को कृषि मंडी में नहीं मिल पा रहा है। विगत कई वर्षो से मंडला मंडी में गुड़ के दाम 01 हजार से लेकर 1500 सौ रूपए तक ही मिल रहा है। इसके साथ ही कृषि मंडी में किसानों के लिए सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं है, गर्मी के सीजन में किसानों का गुड़ पिघलता है। जिससे किसानों को इसका वाजिव दाम नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने बताया कि ग्राम पंचायत नकावल, रामनगर, अंजनियां, भपसा, माधोपुर, हिरदेनगर, लफरा सहित विभिन्न ग्राम के किसान मंडला मंडी पहुंचतें हैं। इन ग्राम पंचायतो में गुड़ बनाया जाता है जो दूसरे जिले तक पहुंचता है। जानकारी अनुसार स्थानीय कृषि उपज मंडी में सीजन के दौरान लगने वाली गुड़ मंडी के रूप में मंडला जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है। मंडला का गुड अपनी विशेषता के कारण प्रदेश के लगभग सभी जिलो में नाम से बिकता है। इसी गुड़ मंडी में जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों समेत आसपास के विभिन्न ग्रामों से गुड़ लेकर किसान मंडला मंडी में बेचने पहुंचते है, लेकिन कृषि मंडी पर्याप्त शेड ना होने के कारण किसानों को अपना गुड़ रखने के लिए मंडी में बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। शेड के अंदर स्थान ना मिलने के अभाव में किसानों को शेड के बाहर ही गुड़ रख कर बेचना पड़ता है। वहीं शेड के अंदर स्थान पाने के चक्कर में विभिन्न गांव से गुड़ लाने वाले किसान गुड़ बाजार के एक दिन पूर्व से ही गुड़ लाने की शुरुआत कर देते हैं। बाजार के दिन तक मंडी में ही रुक कर गुड़ की रखवाली करते हैं। इनको शेड में स्थान ना मिलने पर बाहर खुले आसमान के नीचे रातें गुजारनी पड़ती हैं।

### किसानों को नहीं मिल रहा उचित दाम :

किसानों ने बताया कि मंडला कृषि मंडी में गुड 1000 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक की परिया नग के हिसाब से बिक रही है। एक परिया का वजन 40 से 45 किलो तक का रहता है। किसानों ने बताया कि परिया ग्राहकों की मांग को लेकर छोटी-बड़ी परिया भी बनाई जाती है, लेकिन दूसरे शहर से आए ग्राहक बड़ी परिया की मांग करते है। सुविधा के हिसाब से किसान छोटी परिया बनाते है, जिससे उन्हें लाने ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। सप्ताह के एक दिन रविवार को अनेक ग्राम पंचायत के किसान कृषि मंडी गुड विक्रय के लिए पहुंचते है। किसानों ने बताया कि गर्मी भी अपने तेवर दिखाना शुरू कर दी है, जिसके चलते मंडी में लाया गया गुड़ तेज गर्मी के कारण पिघलने लगता है। यदि गुड़ की खरीदी सुबह जल्दी नहीं हो पाती है तो अन्य व्यापारी के इंतजार में गुड़ सूर्य की तपन से पिघलना शुरू हो जाता है। जिससे इस गुड़ का दाम व्यापारी कम कर देते है। पिघलने वाले गुड़ के दाम में करीब 200 रूपए की कटौती कर दी जाती है। जिससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। कृषि मंडी में पर्याप्त शेड ना होने के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ परेशानी उठानी पड़ रही है।

### प्रसिद्ध है मंडला का गुड़ :

आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला का गुड़ अन्य जिलों की तुलना में दानेदार होता है। मंडला का गुड़ मुंह में रखते ही घुलना शुरू हो जाता है, इसके साथ ही मंडला की मिट्टी में पैदा हुए गन्ने की मिठास अलग ही रहती है। गुड़ में स्वाद मिठास के साथ कुछ नमकीन स्वाद भी देता है। यहां का गुड़ किसानों द्वारा अच्छी तरह से पकाया जाता है। सबसे विशेष बात यह है कि अभी भी अधिकांश किसान प्राकृतिक रूप से गुड़ को तैयार करते हैं। इसमें किसी भी तरह के रसायनों का उपयोग नहीं किया जाता। इसलिए मंडला का गुड़ दूर-दूर तक प्रसिद्घ है।

## जैविक खेती से किसान महिलाएं हो रही सशक्त

# वर्मी कम्पोसट पिट में बना रहे जैविक खाद, किसान ले रहे रूचि

**मण्डला।** सफलता एक रात की कहानी नहीं होती है, आज के बदलते परिवेश में लोग जानते हैं कि जैविक खेती ही भविष्य का एक विकल्प है, लेकिन उनको रसायनिक खेती को छोडऩे का डर भी है की उत्पादन में कमी आयेगी, इस तरह के बहुत सारे सवाल लोगो के मन में आते हैं लेकिन उद्योगिनी संस्था के सहयोग एवं किसानों की मेहनत अब रंग लाने लगी है। जिले के वनांचल और छोटा कश्मिर कहां जाने वाला विकासखंड मवई के किसान अब जैविक खेती की तरफ अपना रूझान करने लगे है। जैविक खेती की नींव रखते हुए किसानों को वर्मी कंपोस्ट पिट वितरित की जा रही है। जिससे किसान जैविक खाद बनाकर खेतों में उपयोग कर सके।

जानकारी अनुसार वनांचल क्षेत्र मवई में किसानों की आय बढ़ाने व इनके परिवार को पोषक आहार मिले इसके लिए पोषण वाटिका, किचन गार्डन के साथ मोटे अनाज, कोदो, कुटकी, तिलहन फसलों के साथ जैविक खाद का अपने खेतों में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किचन गार्डन के माध्यम से महिला किसानों के सब्जी उत्पादन का रकवा बढ़ाने के साथ इनकी आय भी बढ़ाना है। जिससे उनके परिवार को भी हरी सब्जियां मिलती रहे। संस्था द्वारा किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिससे किसान रासायनिक खाद का उपयोग ना करें। अब किसान जैविक खाद से ही सब्जी का उत्पादन कर रहे हैं। जिससे किसानों द्वारा उगाई गई सब्जियों की मांग बाजार में बढऩे लगी है। जिससे इन्हें आर्थिक फायदा भी मिल रहा है।

### समूह बनाकर करा रहे बचत:

बताया गया कि उद्योगिनी संस्था द्वारा मवई ब्लाक के 20 गांवों में कोदो, कुटकी और तिलहन फसलों पर काम कर रहा है। मवई के इन 20 गांवो में बैठक करके दीदियों का समूह बनाया जा रहा है। इस समूह के माध्यम से बचत करने के लिए समूह का खाता भी संस्था द्वारा खुलवा गया। जिसमें सभी समूह के सदस्यों के माध्यम से अध्यक्ष एवं सचिव दीदी का चयन किया गया।

### सब्जी उत्पादन से हो रही आर्थिक बचत :

विकासखण्ड समंवयक शुभम झा ने बताया कि उद्योगिनी संस्था के माध्यम से महिलाओं को सिंचाई मशीन का भी वितरण किया गया। जिससे महिलाएं सब्जी उत्पादन के लिए उपयोग कर रहे है। जिससे क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार से जुडऩे का अवसर प्राप्त हो रहा है। घर में ही सब्जी उत्पादन होने से अब बाजार से खरीदने वाली सबज्यिों के पैसे भी महिलाओं के बचत में आ रहे है। इसके साथ घर में लगाए गई सब्जियों को बाजार में बेचकर अच्छी आमदनी भी महिलाएं कर रही है। जिससे महिलाएं जैविक खेती करने के साथ आत्मनिर्भर बनकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही है।

# निवास पुलिस ने 53 लीटर अंग्रेजी शराब की जब्त

**मण्डला।** थाना निवास को मुखबिर से सूचना मिली कि एक मोटर सायकल पर दो लोग बोरी में अवैध शराब लेकर जा रहे है। थाना प्रभारी निवास निरीक्षक पुष्प करण मुवेल ने उक्त सूचना की तस्दीक व रेड कार्यवाही के लिए थाना निवास की पुलिस टीम को रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा भीखमपुर तिराहा के आगे जाते समय एक मोटर सायकल पर दो लोग आतें दिखे, जिनके पास मोटर सायकल में बीच में बोरी में खड्डा के कार्टून रखे हुये थे। निवास पुलिस ने मोटर साईकिल सवार को घेराबंदी करके पकड़ा। मोटर सायकल क्रमांक एमपी 51 एमके 3415 स्पेंलडर प्लस पर सवार व्यक्तियों का नाम पता पूछने पर अपना नाम अंकित यादव पिता अंतराम यादव 22 वर्ष निवासी बबलियाझील थाना निवास मंडला एवं दूसरे ने अपना नाम अजय भारतिया पिता रतनलाल भारतिया 18 वर्ष निवासी बबलियाझील थाना निवास मंडला का होना बताये। दोनों आरोपी द्वारा मोटर सायकल में ले जाई जा रही शराब को निवास पुलिस ने जब्त किया। बाईक में ले जाई जा रही शराब एक बोरी में रखी हुई थी, जिसमें 297 पाव जिनियस शराब करीब 53.460 लीटर कीमती करीब 40 हजार 95 रूपए की है। दोनों आरोपियों पर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निवास के नेतृत्व में सउनि बलीराम डोंगरे, सउनि अरूण आर्मो, आर.अवेधश पासी, आर. बुध्दसेन मरावी की भूमिका रही।

# नौतपा में चढ़ा पारा 43.2 डिग्री पहुंचा

मण्डला

वर्ष 2024 के सीजन का रविवार को नौ तपा के दूसरे सबसे गरम दिन रहा। नौतपा के पहले ही अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। सूर्योदय होते ही सूरज की तपिश इतनी बढ़ गई है कि सुबह 9-10 बजे से ही धूप झुलसाने लगी। जिसके बाद तेज तपन और उमस भरी गर्मी से शहर की सड़कों पर सन्नाटा परसना शुरू हो गया। दोपहर में सड़के सूनी दिखाई दे रही है। जिले के अधिकतम तापमान में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी के कारण आमजन हलाकान है। इस वर्ष इस सीजन का रविवार को अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस रहा वहीं न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री रहा। दिनभर लू के थपेड़े चलते रहे। जिससे लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। तेज गर्मी और उमस से लोग बचने के लिए तरह तरह के जतन करते दिखाई दिए। जानकारी अनुसार मई माह के अंतिम सप्ताह में भीषण गर्मी पड़ रही है। सूर्य देव आग उगल रहे है। गर्मी इतनी बेतहाशा है कि लोगों का बाहर निकलना दूभर हो गया है। रविवार को इस सीजन का सबसे अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री पारा रहा। दिन प्रति दिन तपमान बढ़ता जा रहा है। जिसकी वजह से दिन बढऩे के साथ लू के थपेड़े लोगों को परेशान कर रहे हैं। न्यूनतम तापमान भी लगातार बढ़ रहा है जिसकी वजह से रात में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। जबकि नौतपा की शुरुआत से पहले ही लोग गर्मी की मार से परेशान हो रहे हैं। विगत दिनों से अधिकतम तापमान 40 के पार बना हुआ है।

### हल्की बारिश की संभावना :

मौसम वैज्ञानिक सुमित परोहा ने बताया कि वर्तमान में एक चक्रवातीय परिसंचरण पश्चिमोत्तर उत्तर प्रदेश के ऊपर मध्य समुद्र तल से 1.5 किमीकी ऊंचाई पर सक्रिय है। इसके साथ ही अन्य चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण पश्चिम राजस्थान के ऊपर मध्य समुद्र तल से 1.5 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है। जिसके कारण मंडला जिले में भी आज 27 मई को जिले के कुछ क्षेत्रों में गरज, चमक के साथ बौछार हो सकती है। इसके बाद आगामी तीन चार दिनों तक सूर्यदेव अपनी उपस्थिति पूरे रौद्र रूप में दर्ज कराएंगे।

## 1 जुलाई से ही विद्यालय खोले जाएं शिक्षकों ने उठाई मांग

# भीषण गर्मी में 10-20 किलोमीटर दूर परीक्षा देने जाएंगे पांचवी आठवीं के नौनिहाल

मण्डला

इस भीषण गर्मी में पूरा देश गर्म लू की चपेट में झुलस रहा है, जिससे दिन के समय का पारा 45 से बढ़कर 50 डिग्री को छूने के लिए बेताब हो रहा है। वहीं इस झुलसा देने वाली गर्मी में राज्य शिक्षा केन्द्र मध्य प्रदेश भोपाल के आदेश पर प्रदेश में कक्षा पांचवीं आठवीं की पूरक, पुनः परीक्षा 3 से 8 जून तक आयोजित होने वाली है, जिसके परीक्षा केंद्र 10 से 20 किलोमीटर दूर तक बनाए गए हैं। इस तरह प्रदेश के नौनिहालों की सेहत से सरासर खिलवाड़ करने की कोशिश जा रही है। ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश एवं आयुक्त, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल को पत्र लिखकर कक्षा पांचवीं और आठवीं की पूरक, पुनः परीक्षा के टाइम टेबल पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

### चुनाव के कारण शिक्षकों को नहीं मिला ग्रीष्मकालीन अवकाश का लाभ :

ट्रायबल वेलफेयर टीचर एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष अर्चना गोमास्ता, प्रांतीय आई टी सेल अध्यक्ष रश्मि मरावी, प्रांतीय प्रवक्ता संजीव सोनी महिला विंग जिला अध्यक्ष मीना साहू जिलाध्यक्ष दिलीप मरावी ने बताया कि प्रदेश में 13 मई तक हुए आम चुनाव एवं चुनाव के बाद मतगणना प्रशिक्षण के कारण अधिकांश शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश का कोई लाभ नहीं मिल सका। जिसके मद्देनजर एवं भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षकों एवं छात्रों को 31 मई के स्थान पर 30 जून तक का अवकाश प्रदान किया जाना चाहिए और 1 जुलाई से विद्यालय की शुरुआत होना चाहिए। वैसे भी इस गर्मी में ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की भारी कमी के चलते विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति नगण्य रहने वाली है, ऐसे में शिक्षकों का विद्यालय में उपस्थित रहना औचित्यहीन होगा।

### शिक्षक 300दिवस के अवकाश नगदीकरण के लाभ से हो रहे वंचित

एक समय था जब शिक्षकों को सार्वजनिक अवकाशों के अलावा 24 दिन का दशहरा दीवाली, 7 दिन शीतकालीन और 60 दिन का ग्रीष्मकालीन कुल 91 दिनों का अवकाश और 10 दिन का अर्जित अवकाश मिलता था। उस समय गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को सार्वजनिक अवकाश के अलावा सिर्फ द्वितीय और चतुर्थ शनिवार के हिसाब से 26-27 दिनों का ही अवकाश मिलता था। इसके बदले उन्हें वर्ष में 30 दिनों का अर्जित अवकाश मिलता था और सेवानिवृति पर पूरी सर्विस के दौरान संचयित 240 दिन जिसे बढ़ाकर 300 दिन कर दिया गया है। अर्जित अवकाश का नगदीकरण कर भुगतान होता है।

ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव सुरेश यादव, प्रांतीय प्रवक्ता संजीव सोनी, जिला उपाध्यक्ष सरिता सिंह और उमेश यादव ने बताया कि 2008 के बाद से शिक्षकों को अधिक अवकाश का हवाला देते हुए 10 दिन के अर्जित अवकाश की पात्रता खत्म कर दी गई तथा उनकी सर्विस बुक में दर्ज अर्जित अवकाशों को भूतलक्षीय प्रभाव से समाप्त कर दिया गया। यहां पर शिक्षकों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। उसके बाद से शिक्षकों के अवकाश में लगातार कटोती की गई।

वर्तमान में शिक्षक को सार्वजनिक अवकाश के अलावा 3 दिन दशहरा, 5 दिन दीपावली, 3-5 दिन शीतकालीन, 30 दिन ग्रीष्मकालीन कुल मिलाकर मात्र 41-43 दिनों का ही मिल रहा है। और अवकाश के दिनों में आयुक्त या कलेक्टर के लिखित आदेश पर ही अर्जित अवकाश की पात्रता होगी। जबकि डीईओ, बीईओ, बीआरसीसी, संकुल प्राचार्य, जनपद जिलापंचायत आदि के अधिकारियों के लिखित या व्हाट्सएप और फोन पर मौखिक आदेश से विशेष कर हाईस्कूल, हायर सेकेण्डरी स्कूल के शिक्षक लगभग पूरे ग्रीष्मकालीन अवकाश पर छात्रवृत्ति, नामांकन, परीक्षाफल, अंकसूची-टीसी वितरण आदि काम करते रहते हैं, फिर भी उन्हें अर्जित अवकाश नहीं दिया जाता।

वर्तमान में हाई स्कूल हायर सेकेंडरी में प्राचार्य के पद खाली पड़े हैं और प्रभारी प्राचार्य के रूप में शिक्षक काम कर रहे हैं इन प्रभारी प्राचार्य के पास कलेक्टर का आदेश नहीं होने के कारण नॉन वेकेशन कर्मचारी अधिकारियों के समान अर्जित अवकाश की पात्रता नहीं होती है। इसके उल्ट गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को सप्ताहिक 5 कार्य दिवस के कारण वर्ष में 52-54 शनिवार तथा दशहरा, दीपावली, क्रिसमस सहित कुल 55-57 दिनों का अवकाश के साथ ही साल में 30 दिन का अर्जित अवकाश यानी कुल 85-87 दिनों का अवकाश मिल रहा है। इस तरह शिक्षकों को अन्य कर्मचारियों से प्रतिवर्ष लगभग 40-45 दिन का अवकाश कम मिल रहा है।

**खबर संक्षेप**

### श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 2 जून से

**गाडरवारा।** क्षेत्र में लगातार धार्मिक आयोजनों के कार्यक्रम होते हुये देखे जाते है। इसी के चलते समीपस्थ ग्राम सांगई में 2 जून से संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार इस आयोजन को लेकर 2 जून को सुबह 10 बजे से ग्राम में कलश यात्रा निकाली जाएगी तदोपरांत श्री गणेश पूजन के बाद प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक वृदांवन धाम से पधारे हुये कथा वाचक रविकांत मिश्रा (रसिक) के मुखार बिंद से श्रीमद भागवत कथा सुनाई जाएगी। वही कथा के समापन पर 8 जून को पूर्णाहुति एवं महा प्रसादी के साथ कथा का समापन होगा।

### नर्मदा जी के निर्मल नीर में मिल रहा गंदी नाली का पानी

**सांईखेड़ा।** क्षेत्र की जीवनरेखा माँ नर्मदाजी की शुद्ध करने के लिये आये दिन मुहिम तो चलाई जाती है, मगर वह मात्र चंद दिनों तक अखबारों की सुर्खिया बनने के बाद सच्चाई को जिस प्रकार से भुला दिया जाता है उसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदाजी में गंदगी फैलाने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ झिकोली घाट में देखने मिल रही है जहां पर माँ नर्मदाजी के निर्मल नीर में गंदी नाली का पानी मिलते हुये देखे लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से नही चूक पा रही है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत झिकोली की अनदेखी के चलते ग्राम की नालियों से निकलने वाली संपूर्ण गंदा पानी सीधे माँ नर्मदाजी में पहुंच रहा है, जिससे नर्मदाजी के घाट पर गंदगी फैल रही है, वही दूसरी ओर चल रहे धार्मिक मास के चलते प्रतिदिन नर्मदा तट पर भक्तों की भीड़ उमड़ने के दौरान इस प्रकार से नालियों का गंदा पानी नर्मदाजी के निर्मल नीर में मिलते हुये देख लोगों में आक्रोश पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है। इस बात को लेकर माँ नर्मदा भक्तों द्वारा ग्राम पंचायत झिकोली सहित क्षेत्र के अधिकारियों से गुहार लगाते हुये मांग की गई है कि ग्राम झिकोली से निकलने वाले इस गंदे पानी को माँ नर्मदाजी में जाने से तुरंत रोक लगाई जावे।

### दूध के नाम पर बिक रहा सफेद पानी

**गाडरवारा।** इस समय नगर में देखा जावे तो बाहर से आने वाले दूध विक्रय करने वालो की जांच न होने से मिलावटी दूध की बिक्री धड़ल्ले से हो रही है? दूध में पानी की मात्रा का प्रतिशत गर्मी शुरू होने के पहले मांग और खपत में अंतर आने के कारण दिनों दिन बढ़ती जा रही है? वही दूध में पौष्टिक पदार्थ की मात्रा मिलावट के कारण घटती जा रही है? दूध मे मिलावट होने से आम जनों को परेशानी एवं चिंता रहती है? क्योंकि बच्चो को मिलावटी दूध देने से बीमारी का खतरा बन रहा है? किंतु संबंधित विभाग अधिकारियों को शयद इस बात की कोई चिंता नही रहती है, जिसके कारण दूध विक्रेता शासन प्रशासन के नियम कानून कायदो को ताक में रख अपनी मन मर्जी के अनुसार मिलावटी दूध कारोबार कर रहे है। इस प्रकार नगर में नागरिको को दूध के नाम सफेद पानी खरीदना पड़ रहा है, वैसे तो नगर में गिनती की डेरी है। किंतु बाहर से आने वाला दूध गली मोहल्लो में साइकिलो से बेचने वालों की एक लंबी कतार रहती है, जिनका दूध बेचने को कोई भाव नही रहता, इसी तरह सैकड़ो लीटर दूध गांवो से आता है, जिनकी कभी भी किसी तरह जांच नही होती है, जिसके चलते मिलावटी दूध विक्रेताओं के हौसले बुलंद है, वही आम नागरिको के स्वास्थ्य के साथ दूध बेचने वाले एवं इनके निरीक्षण करने वालो द्वारा खिलवाड़ किया जा रहा है? आम लोगो का कहना है कि अधिकारी द्वारा दूध की जांच न करने का कारण उनकी जेब भरती रहती है, नगर के नागरिकों व जन प्रतिनिधियों ने संबंधि विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि दूध के नाम पर नगर में जो खुले आम पानी बेचा जा रहा है, उसे योजनाबद्ध तरीके से परीक्षण कर दोषी एवं मिलावट खोरो के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए।

## नगर में लगातार बिगड़ती हुई यातायात व्यवस्था

# प्रभावशालियों के वाहनों ने सड़कों पर जमाया कब्जा

**हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।** अक्सर देखा जाता है कि शासन के निर्देश पर यातायात सुरक्षा सप्ताह तो हर वर्ष मनाया जाता है जिसके चलते प्रशासन वाहन चालकों को अनेक प्रकार की हितायत देते हुए उन्हें यातायात संबंधी कानून याद दिलाने से नही चूकते है। मगर इसके बाद सब कुछ पुराने ढर्रे पर चलने लगता है। कुछ इसी प्रकार का मंजर इस समय नगर में देखने मिल रहा है। क्योंकि की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था को देखकर ऐसा अहसास हो रहा है कि अनियंत्रित गति से वाहन चलाने वाले अपनी कलाबाजी का प्रदर्शन करने से बाज नही आ रहे है जिससे यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद अब जिम्मेदार अधिकारियों को इस नगर से कोई लेना देना नही रह गया है। इस प्रकार से नगर की लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था के सुधारने के लिये जिस प्रकार से पुलिस सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की सुस्ती देखी जा रही है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद नगर की बिगड़ती हुई व्यवस्थाओं से किसी को कोई लेना देना नही रह गया है और अधिकारियों ने सबकुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया गया हो..? जिसका परिणाम है कि इस समय जहां नगर की सड़को पर मनमानी करने वालों के हौसले बुलंद दिखाई पड़ रहे है और लोगों का पुलिस के दिलों में दहशत समाप्त होने के कारण हर व्यक्ति अपनी मनमानी पर उतारू हो गया है। इस तरह अधिकारियों की उदासीनता के चलते वाहन चालक पूर्णरूप से अपनी मनमानी पर उतारू रहते हुये आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये खुलेआम शहर के अंदर सड़को पर हुड दंग लीला मचाते हुये देखे जा रहे है तो दूसरी ओर सड़को पर अपने वाहन खड़ा करते हुये गप्पे मारना उनका शौक बन चुका है? गौरतलब है कि शहर की आबादी बढ़नें व वाहनो की तादाद में निरंतर बढ़ोत्तरी होने के लिहाज से नगर की यातायात व्यवस्था संतोष जनक नहीं बन पा रही है तथा शहर के व्यस्ततम चौराहो पर जाम लगने के नजारे आसानी से देखे जा रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर की एस.बी.आई बैक के पास की स्थिति और भयानक देखने मिल रही है जहां से लोगों का पहले से ही निकलना मुश्किल हो रहा है। मगर लोगों को जब नगर के रेल्वे स्टेशन या फिर तहसील कार्यालय जाना होता था तो वह शासकीय चिकित्सालय मार्ग से निकल जाते थें। मगर इस मार्ग पर संचालित होने वाले एक बैक के उपभोक्ताओं द्वारा संपूर्ण मार्ग पर अपना कब्जा जमाते हुये वाहन खड़े किये जाने के कारण जाम की स्थिति बनने के कारण लोग परेशान होते हुये देखे जा रहे है। जबकि गौर किया जावे तो यह मार्ग नगर का मुख्य मार्ग माना जाता है। वही दूसरी ओर यहां से आम लोगों के साथ साथ शहर के लगभग हर व्यक्ति का निकलना होता है जिसमें सबसे ज्यादा परेशानी का सामना स्कूलों के समय उन छात्राओं को करना पड़ता है जब वह अपने स्कूल को जा रही होती है उसी समय सड़क पर गाड़ियाँ खड़ी होने की स्थिति में उनका निकलना मुश्किल हो जाता है तथा यहां पर खड़े रहने वाले मनचलों की छिटाकशी का शिकार होने के लिए मजबूर होना पड़ता है? निमय के अनुसार तो बैक को अपने ग्राहकों के वाहनों के लिए पार्किग व्यवस्था करना चाहिए मगर बैक द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने की स्थिति में आम लोगों के साथ साथ स्कूली छात्र छात्राओं को परेशानी झेलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि क्षेत्र प्रमुख माने जाने वाली इन बैकों में प्रतिदिन नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का आना जाना होता है जिसके कारण बैक में आने वाले लोगों द्वारा अपने वाहनों को मुख्य मार्ग पर ही खड़ा किया जाता है। इस प्रकार से यहां पर रोज बन रही जाम की स्थिति को देखते हुये पुलिस की कार्य प्रणाली इस प्रकार से देखने मिल रही है कि जिम्मेदार अधिकारियों को इस नगर से शायद कोई लेना ही देना नही रह गया है? और अधिकारियों के लिये अब गाडरवारा शहर मात्र एक रिसर्च सेन्टर बन चुका है। क्योंकि अधिकारियों द्वारा शहर की सड़को पर फैले हुये अतिक्रमण को हटाने के लिये जो प्रयास किये जाते है वह मात्र एनाउसमेंट तक ही सीमित होकर रह जाते है? इस सच्चाई के चलते नगर की सड़को पर प्रभावशालियों द्वासरा मुख्य मार्गो पर अपने घरों के सामने वाहनों को इस तरह खड़ा किया जाता है कि मानों सड़क भी उनकी निजी संपत्ति हो चुकी है। यदि नगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था गौर किया जावे तो जाम के साथ साथ रात के समय नगर की सड़को पर पूर्णरूप से वाइकर्सो का आतंक इस प्रकार से छाया हुआ रहता है कि है कि लोगों की रातों की नीद हराम हो चुकी है, स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि नगर की सड़को पर तेज गति से वाहन दौड़ाने वालें युवाओं द्वारा झुंड के रूप में एकत्र होते हुये जहां अपनी गाडियों से तेज आवाज निकालने के साथ साथ खुद भी अनेक प्रकार की आवाजे लगाते हुये सड़को पर भ्रमण करना मानो मनमानी करने वालों का शौंक ही बन चुका है। इस प्रकार से शहर की लगातार बिगड़ रही यातायात व्यवस्था में तत्काल सुधार करने की जरूरत है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के आमगांव चौराहा, झंडाचौक, पलोटन गंज चौराहा, रेल्वे स्टेशन रोड़ ईलाको में शाम के बाद यातायात व्यवस्था में अराजक होने से नगर के लोंगो को विशेष रूप से परेशानियों से जूझते हुये देखा जा रहा है।

## नगर में शराब दुकानों के नाम से पहचाने जा रहे प्रतिष्ठ स्थान

**गाडरवारा।** शांति प्रिय माने जाने वाले इस नगर को जहां पहले लोग मंदिरों व अन्य प्रसिद्ध जगहों के नाम से जानते थें, मगर समय जिस प्रकार से बदल रहा है और युवाओं के जरूरी माने जाने वाले दृव्य पदार्थो की सबसे ज्यादा उपयोगता होने के चलते लोग पुराने उन स्थानों को भूलने लगे है? क्योंकि इस आधुनिक दौर में शहर के युवा आकर्षक वेश भूसा, अफसर भ्रष्टाचार करने की कला में पहचाने जा रहे है तो वही दूसरी ओर नेता आश्वसन देने में माहिर होने तथा दुकाने, निजी शालाएं चमदमक से पहचानी जा रही है पर दुर्भाग्य से अब लोगों के घर कम्पूटर सेन्टर, अच्छे व्यापारिक प्रतिष्ठान अब शराब दुकानों के नाम से अपनी अपनी पहचान बनाने लगे है। जानकारी के अनुसार आपाधापी के दौर में आमजन सहज में लोगों के घरों व दुकानों के स्थानों की पहचान झूलते हुए अपने शुभ चिंतकों से जरूरत पड़ने उनका पता पूछते घुमते है? किन्तु जब उन्हें बताया जाता है कि उनकी चाहत वाला ठिकाना फलां शराब दुकान के करीब है तो वह निश्चित होकर कहने लगता है कि अब वे अपने चाहे गये ठिकाने को आसानी से खोज सकता हूं? उक्त सच्चाई की मिसाल हाल में देखने मिली जब शहर के एक व्यक्ति को जब किसी काम से एक अखबार के कार्यालय में पहुंचे तो उन्हें अपनी फोटो तैयार कराने के लिए नगर के सबसे पुराने आचार्य मंदिर के सामने स्थिति एक कम्पूटर सेन्टर पर फोटो बनबाने को कहा गया तो उनका उत्तर था कि इस मंदिर को नही जानते है जिसके कारण वह उस कम्पूटर सेन्टर पर नही पहुंच सकते, मगर जब उन्हें उसी कम्पूटर दुकान पर पहुंचने के लिए वहां की शराब दुकान के पास का पता बताया तो वह तुरंत उस कम्पूटर सेन्टर को पहचान गये। इस बात से यह सच्चाई स्पष्ट होते हुए देखी जा रही है कि लोग आज मंदिरों को भूलकर शराब दुकानों से ज्यादा तालुक रख रहे है जिसके चलते मंदिर के पता पर लोग पहुंचने में परेशान हो रहे है मगर शराब दुकान के पाते के आधार पर इस प्रकार के प्रतिष्ठत जगहों को आसानी से पहचान पा रहे है।

## सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला
## कोई नहीं दे रहा ध्यान, यात्री होते रहते हैं परेशान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका ।

जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की बात कही जाती है, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि सालीचौका रेल्वे स्टेशन पर उचित व्यवस्थाएं नही होने के कारण यात्री परेशान होते रहते है, बताया जाता है कि सालीचौका रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र के लगभग 50 से अधिक गांवों के लोग यात्रा करने के लिए पहुंचते है। लेकिन यात्रियों की सुविधाओं के लिए यहॉ पर न तो सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय है तथा न ही आरक्षण टिकिट काउंटर तथा पार्सल कार्यालय भी नही है जिस बजह से नगरवासियो तथा आसपास से आये यात्रियों को भारी परेशानियों का समाना करना पड रहा है। वही दूसरी ओर सालीचौका रेल्वे परिसार में एक नल से पेय जल के माध्सम से काम चलाना पड रहा है यहॉ पर देखने के लिए नल के स्तंभ तो खडे है पर उनमें नल का कही अता पता नही रहता है जिसके चलते वह मात्र शोभा की सुपानी बनकर रह गये है? वही यात्रियों के लिए एक ही टिकिट खिडकी से यात्रिओं को आरक्षण तथा साधारण टिकिट लेना पडती है तथा उसी जगह से पार्सल कार्यालय का संचानल होता है जिसके चलते जहां टिकिट लेने में यात्रियों को परेशानी हो रही है। वही दूसरी ओर दूर दराज के ग्रामों से आये यात्रियों को प्रतिक्षालय के अभाव में इधर उधर भटकने को मजबूर होंना पड रहा है। वही दूसरी ओर सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि भोपाल जाने के के लिए बीना एक अन्य ट्रेन के बाद दिन में दूसरी और कोई ट्रेन का स्टाप नही होने के कारण क्षेत्र के लोगों को भोपाल की ओर जाने वाली ट्रेन पकड़ने लिए या तो गाडरवारा जाना पड़ता है या फिर पिपरिया जिसके चलते क्षेत्र के लोगों द्वारा रेल प्रबंधन से जनहित में मांग की है कि उक्त समस्याओ को ध्यान में रख कर शीघ्र से शीघ्र निराकरण हो सके कुछ लोगो नाम न छापने की शर्त पर कहना है यहॉ शाम होते ही सुरा प्रेमियो के द्वारा डेरा जमा लिया जाता है जिस बजह से महिलाओं को बहुत ही दिक्कतो का मुह देखना पड़ता है? महिलाये अपने आप को यहॉ असुरक्षित समझती है। इस संबंध में यहां के अनाज व्यवसासियों का कहना है कि ये बात सही है कि यहॉ की रेल्वे स्टेशन पर न तो पूर्ण सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय है और न ही पेय जल की ठीक तरह व्यवस्था है ग्रामीण अंचल से आये लोगो के लिए यहॉ प्रतिक्षालय का होना अति आवश्यक है और साथ ही प्रतिक्षालय की वजह से महिलाओं को बैठने में असुविधा होती है। वही दूसरी परेशानी तो यह है कि यहॉ भोपाल जाने के लिए कोई ट्रेन भी नही है मात्र रात्री के समय एक ही ट्रेन नर्मदा एक्सप्रेस है। वही रेल सुविधाओं से बंचित रह रहे सालीचौका क्षेत्रवासियों का कहना है कि यहॉ शाम होते ही रेल्वे स्टेशन पर शराब पीने वालो की संख्या दिनों दिन बढती ही जा रही है जिसके चलते जहां यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वही दूसरी ओर एकल टिकिट खिलड़ी के कारण भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही प्रकार से जब समीपस्थ कुछ ग्रामों के लोगो से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि जब कभी हम रात्री के समय में जबलपुर से सालीचौका आते है तो यहॉ पर सुविधा जनक यात्री प्रतिक्षालय तक नही है जहां पर कोई यात्री रात के समय रूक सके, क्योंकि बना हुआ यात्री प्रतिक्षालय पूर्ण रूप से असुरक्षित है, इस बजह से हमे रात्री के समय मे ही 12 बजे से 1 बजे के बीच ग्रामों को पैदल जाना होता है जिससे हमे असुरक्षा की स्थिती बनी रहती है।

## पंचायतों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों को नहीं मिल रहा शासन की योजनाओं का लाभ, अनेक लोग खस्ताहाल मकानों में रहने के लिये मजबूर

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

जहां एक ओर सरकारों द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले गरीबो के लिए अनेक प्रकार की हितैषी योजनाएं चलाकर गरीबी का भला करने की सोच रखे हुए है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो जो गरीब भवन विहीन है, उन्हें शासन द्वारा अपनी पूर्व की इंदिरा आवास योजना के बाद अब प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्के भवनों का निर्माण कराते हुए प्रदान किये जाने के लिए सराहनीय पहल शुरू की गई, इसके आलवा शासन की इस प्रकार आवास योजनाओं सहित अन्य योजनाओं का लाभ देते हुए भवन बनवाने की पहल कर रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो यह योजनाओं जमीन स्तर पर मात्र स्वार्थ पूर्ण होने के कारण अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के हितैषियों तक ही सीमित होते हुए दिखाई पड़ रहा है तथा शासन की राशि का सही उपयोग नही होने के कारण अनेक पंचायतों में सरकार की इन योजनाओं को पंचायतों में बैठे हुए जनप्रतिनिधि बट्टा लगाने से नही चूक रहे है। इस बात की सच्चाई शहर से लेकर क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है, जहां पर पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों ने इन योजनाओं का सबसे अधिक लाभ उस तरह के लोगों को प्रदान कर दिया गया है जिनके पहले से ही पक्के महान होने के बाद भी एक ही परिवार को अलग अलग भागों में विभाजित कर अलग अलग आवास बनावा दिये गये हे जबकि जो इस योजना के सही हकदार माने जाते है वह आज भी अपने कच्चे व खस्ता हाल आवासों में रहने के लिये मजबूर देखे जा रहे है? क्योंकि पंचायतों में बैठे हुए जनप्रतिनिधियों की मनमानी के चलते इस योजना का लाभ पूर्णरूप से स्वार्थ से परीपूर्ण नजर आ रहा है और गांवों में पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ मिलने की जगह इस प्रकार के लोगों को मिलते हुए देखा जा रहा है जिनके भवन पहले से ही पक्के बने हुए है मगर पंचायतों के प्रतिनिधियों द्वारा उस परिवार के लोगों को पृथक करते हुए उन्हें अलग अलग नामों से भवनों की स्वीकृति प्रदान करते हुए उनके भवनों को सजबाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस प्रकार की सच्चाई की जांच करने की मांग करते हुए आमजन द्वारा पंचायतों में निर्मित हो रहे भवनों की जांच कराई जावे तो चौकाने वाली सच्चाई सामने आने से नही बच पायेगी? क्योंकि यदि किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा केन्द्र सरकार से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना की निष्ठा के साथ जांच की जावे तो शहर से लेकर गांवों में इस तरह के लोग आसानी मिल जावेगे जिनके पास पहले से ही पक्के मकान होने के बाद भी उन्हें इस योजना का लाभ प्रदान करते हुये सिर्फ अपने पक्के आवासों को नई दुल्हन की तरह सजाते हुये शासन की राशि हडप ली गई है।

## लगातार हो रहे नलकूप खननों के चलते जल स्तर में आ रही गिरावट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय जिस तरह प्रकृति के साथ खिलबाड होते हुये देखी जा रही है उसकी का परिणाम है कि लोगों को हर साल बढ़ते हुये तापमान का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है तो दूसरी ओर जीवन के लिये प्रमुख माने जाने वाले जल का लोगों द्वारा महत्व नही समझे जाने के कारण जमीन पर जल का दोहन किया जा रहा है इसी के चलते जमीन के नीचे हर साल जल के स्तर में आ रही गिरावट के चलते एक दिन वह आ जावेगा जब लोग एक एक बूंद पानी के लिये परेशान होने से नही चूक पायेगे? लोगों द्वारा अपनी मनमर्जी के लते जिस तरह सभी मापदंडो को दर किनार करते हुये नलकूपों का खनन किया जा रहा है उस पर प्रतिबंध जरूरी समझा जाने लगा। वैसे भी देखा जावे तो गर्मी के समय में जिला कलेक्टर द्वारा निर्धारित अवधि के लिये नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया जाता था। मगर इस वर्ष शायद इस तरह का कोई आदेश जारी नही होने के चलते लोगों द्वारा मनमजी के तहत अपने खेतों में एक नलकूप होने के बाद दूसरे नलकूपों का खनन कराने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई को लेकर बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम के कुछ लोगों द्वारा अनुविभागीय अधिकारी को एक शिकायती पत्र दिया गया है। बताया जाता है कि ग्राम ढुरसुरू निवासी मुन्ना लाल ठाकुर सहित अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये अपने शिकायती पत्र में उल्लेख किया गया है कि ग्राम के फूलचंद उर्फ फुन्दी लाल कुशवाहा द्वारा अपने खेत पर एक नलकूप होने के बाद भी दूसरे नलकूप का खनन कराया जा रहा है। क्योंकि हर साल देखा जाता है कि गर्मी के दौरान यहां के जल स्तर में कमी आने के कारण लोगों को पीने के पानी सहित अन्य किसानों को अपने खेतों में मौजूद नलकूपो से जल की प्राप्ती होना मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह एक ही किसान द्वारा अपने खेतों में अनेक नलकूपों का खनन कराया जाता रहा तो ग्रामीणों को पीने के पानी की विकराल समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शिकायत में उल्लेखित किया गया है कि शासन के नियम के अनुसार प्रत्यके नलकूप के खनन कराने के लिये कम से कम आधा किलों मीटर दूरी के नियमों का पालन करना जरूरी होता है। मगर यहां पर कृषक द्वारा खनन कराये जा रहे इस नलकूप खनन को लेकर न तो नियमों का पालन किया जा रहा है तो दूसरी ओर पहले से ही एक नलकूप होने के बाद भी दूसरा नलकूप खनन करने की बात को लेकर ग्रामीणों द्वारा विरोध करते हुये शासन प्रशासन से कार्यवाही की मांग की गई है।

खबर संक्षेप

## जिला चिकित्सालय से मोटर सायकल गायब

**डिण्डौरी।** कोतवाली थाना अन्तर्गत जिला चिकित्सालय में शनिवार की दोपहर एक दो पहिया वाहन चोरी होने की शिकायत कोतवाली में दर्ज करायी गई है। नगर में हो रही दो पहिया वाहनो की चोरी से वाहन मालिक डरे हुए है । आये दिन हो रही चोरियो से पुलिस महकमा भी परेशान है । चोरो की धरपकड के लिए पुलिस सक्रिय है लेकिन शातिराना अंदाज में चोरी को अंजाम दे रहे अज्ञात चोर पुलिस गिरफ्त से बचे हुए है। इसी हौसले के कारण किसी भी वक्त चोरी को अंजाम देने में कामयाब हो रहे हैं । शनिवार को स्वास्थ्य विभाग शहपुरा में पदस्थ सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाईजर के पद में पदस्थ सुशील कुमार गवले लगभग 12.30 बजे जिला चिकित्सालय में दवाई लेने एवं मीटिंग में शामिल होने विभाग द्वारा आवंटित शासकीय वाहन मोटर सायकल क्रमांक एम पी 52 एम बी 1002 हीरो पैशन से आये थे। तथा जिला अस्पताल में बने वाहन शैड में खडी कर मीटिंग में शामिल होने चले गये ,लगभग 3 बजे मीटिंग से छूटने के बाद वाहन शैड में जाकर देखा तो मोटर सायकल गायब थी। आस पास पता तलाश किया लेकिन जानकारी नही लगी, जिसके बाद कोतवाली में शिकायत दर्ज कराया पीडित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के विरूद्ध शिकायत दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी है।

## महिला से देशी मदिरा जप्त

**डिण्डौरी।** कोतवाली थाना अन्तर्गत रानी अवंती बाई चैक के पास शनिवार रात लगभग 8 बजे एक महिला के कब्जे से विक्रय के उद्देश्य से रखी देशी मदिरा शराब पुलिस ने जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाई की है। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली की जबलपुर बस स्टैण्ड में अवंती बाई चैक के पास एक महिला अपने हांथ में एक थैला में शराब विक्रय की नियत से रखे हुए है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस को देखकर महिला भागने का प्रयास करने लगी लेकिन हमराह महिला स्टाफ ने उसे पकडकर तलाशी ली जिसके कब्जे से रखे थैला में 15 पाव देशी मदिरा प्लेन शराब कीमत 975 रूपये बरामद किया गया महिला के विरूद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(ए) के तहत कार्यवाई करते हुए जमानती मुचलका में रिहा कर न्यायालय में उपस्थित कर नोटिस तामील किया गया।

## टायर पंचर होने से बाईक सवार गिरकर चोटिल

**डिण्डौरी।** कोतवाली थाना अन्तर्गत किकरझर घाट में शनिवार सुबह लगभग 7 बजे एक बाईक सवार गिरकर चोटिल हो गया जिसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। अस्पताल चैकी में दिये कथन में जमशेद आलम पिता हामिद अली उम्र 25 साल निवासी मोहिददीन पुर थाना तानगांव जिला सीतापुर उत्तरप्रदेश हाल मुकाम बायपास डिण्डौरी ने बतलाया कि वह त्रिपाल बेचने का काम करता है और शनिवार सुबह अपनी मोटर सायकल क्रमांक यू पी 34 ए एस 9887 से त्रिपाल बेचने के लिए डिण्डौरी से समनापुर जा रहा था इसी दौरान किकरझर घाट में उसकी बाईक का अगला टायर अचानक पंचर हो गया जिसे बाईक अंयंत्रित हो गई और बाईक समेत गिरकर चोटिल हो गया । पीछे मोटर सायकल में आ रहे साथी ने अपनी मोटर सायकल से लाकर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया हैं

## आनंदम दीदी कैफे डिंडौरी में आयोजित होगा वन मेला

**डिण्डौरी।** डिंडौरी जिला के 26वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 27 मई को आनंदम दीदी कैफे डिंडौरी में वन मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत विभिन्न वैद्यों एवं आयुर्वेद शास्त्र पर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी।उक्त वन मेला में जिले के समस्त वैद्य आमंत्रित किये गए है,जो अपने पारम्परिक आयुर्वेद ज्ञान से लोगो को उपचारित करेंगे। बाद आरोपी प्रहलाद नवम्बर में उसे साथ में लेकर जबलपुर चला गया और होली त्यौहार में दोनो वापस लडका के गांव आ गये ।

### वनग्राम चाड़ा में आयोजित हुआ विशाल स्वास्थ्य शिविर

# जिला के 26वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ शिविर

डिंडौरी।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन पर डिंडोरी के स्थापना दिवस के अवसर पर स्वस्थ डिंडोरी की संकल्पना को पूरा करने के उद्देश्य से रविवार को वनग्राम चाड़ा में विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर के सफलतापूर्वक आयोजन में अरबिंदो महाविद्यालय इंदौर की भूमिका प्रमुख रही, इस शिविर में अरविंदो महाविद्यालय इंदौर की 45 सदस्यीय टीम ने लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी। रविवार को सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें समनापुर, बजाग, करंजिया से आने वाला आने वाले ग्रामीणो के लिए विकासखंडवार दो-दो काउंटर अलग-अलग स्थान पर लगाए गए, जिससे अपने अपने विकासखंड के आधार पर पंजीयन कर पाना आसान हुआ, इस शिविर का आयोजन बैगाचक क्षेत्र एवं दूरस्थ ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने की उद्देश्य से किया गया, जो स्वास्थ्य सेवा पाने में असमर्थ है, शिविर में कैंसर, स्तन कैंसर, मुंह का कैंसर, हृदय रोग, मूकबधिर, कटे फटे होठ सहित अन्य समस्त गंभीर बीमारी और महिलाओं से संबंधित बीमारियों की निःशुल्क जाँच और उपचार किया गया। कलेक्टर विकास मिश्रा ने इस अवसर पर बताया कि जिला

प्रशासन की और से स्वास्थ्य सेवा को अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, इसलिए प्रत्येक शनिवार को रेवा कैंप आयोजित किये जाते है, उन्होंने कहा कि इस प्रकार के विशाल स्वास्थ्य कैंप के आयोजन के लिए जिला प्रशासन अरबिंदो मेडिकल कॉलेज एवं अन्य मेडिकल कॉलेज से संपर्क कर रहा है जिससे गंभीर बिमारियों को समय पर पहचान कर लोगों को उपचारित किया जा सके, कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि ऐसे विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन समय समय पर आगे भी किया जाएगा साथ ही कैंप में आये समस्त रोगियों के फॉलोअप की व्यवस्था की जा रही है, जिससे एक स्वस्थ और निरोगी डिंडोरी की संकल्पना को पुरा किया जा सकेगा। शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चाड़ा में किया गया, जिसमें 7 वर्ग के डॉक्टर्स ने अलग अलग गंभीर बिमारियों का उपचार किया, कैंप के तहत 7 वर्ग ऑर्थोपेडिक्स, सामान्य मेडिसिन, सर्जरी, कैंसर, महिला रोग, पीडियाट्रिक और ईएनटी क्षेत्र के विषय विशेषज्ञ ने लोगो की बीमारी को चिन्हित कर अवश्यक्तानुसार उपचार किया, गंभीर रोगों से पीड़ति लोगों को बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की सलाह दी गयी, वहीं ऐसे रोग जो सामान्य रूप से ठीक हो सकते है उनके लिए निशुल्क दवाई वितरण की गयी। शिविर में भाग लेने वाले समस्त लाभर्थियों की बीपी, शुगर, ब्लड आदि की जाँच की गयी। सभी प्रकार की स्वास्थ्य सेवा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गयी। सीएमएचओ रमेश मरावी ने बताया कि उपचार के लिए 3डी पद्धति का प्रयोग किया जा रहा है, जिसमें पहले डी का अर्थ डाइग्नोसिस से है मतलब जाँच करना, दूसरा डी ड्रग्स अर्थात दवाई को प्रदर्शित करता है, जाँच और दवाई के साथ उचित स्वास्थ्य लाभ के लिए उचित भोजन आवश्यक है जोकि तीसरा डी डाइट को प्रदर्शित करता है। शिविर में आये लोगों के लिए पीएचई विभाग ने पेयजल, खाद्य विभाग ने भोजन, महिला बाल विकास ने पोषण जानकारी, आयुष विभाग ने उपचार और जाँच की सुविधा और वन विभाग ने अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध करायी। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग आर पी तिवारी, डीएसओ ए के श्रीवास्तव सहित समनापुर, करंजिया, बजाग के सीईओ जनपद, सीडीपीओ, बीआरसी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस प्रकार जिला प्रशासन के आपसी समन्वय और जनभागीदारी से शिविर का सफलतापूर्ण आयोजन संपन्न हुआ।

### झिरिया का गंदा पानी पीने मजबूर ग्रामीण

# कुटलाही गांव में पानी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण

**डिण्डौरी।** करंजिया विकास खंड अन्तर्गत कुटलाही गांव के ग्रामीण बूंद बूंद पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे है। पूरी रात जागरण के बाद झिरिया का गंदा पानी नसीब होता है और उसी पानी से कंठ की प्यास बुझाते है। दरअसल गांव में ना हैंडपंप है न कुंआ मात्र झिरिया ही एक मात्र सहारा है जहां पर्याप्त पानी नही है बमुष्किल गुंडी दो गुंडी पानी रात भर के इंतजार के बाद मिल पाता है वह भी इतना गंदा कि पीने योग्य नही है बावजूद इसके मजबूरी में इसी पानी का उपयोग पीने के लिए किया जाता है। आलम यह है कि झिरिया में पानी संग्रह करने के लिए नीचे उतरना पडता है जो जोखिम भरा है लेकिन प्यास बुझाने और पानी सहेजने के लिए महिलाए जोखिम उठाती है। हालाकि इस झिरिया का पानी पूरे गांव को नही मिल पाता तब भीषण गर्मी में पानी की तलाष में बच्चो से लेकर बुजुर्ग तक जद्दोजहद करते देखे जा सकते है। शासन ,प्रशासन ,जनप्रतिनिधि, लाख दावे और वादे करें लेकिन हकीकत गांव की तस्वीर देखने के बाद पता चल जाएगा कि गांव में

नल जल योजना और अमृत सरोवर जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं कैसे दम तोड़ रही हैं। करंजिया जंनपद पंचायत अंतर्गत कुटलाही गांव के ग्रामीण इस भीषण गर्मी के दिनों में प्यास बुझाने के लिए झिरिया का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं । ग्रामीणों ने यह भी बताया कि झिरिया का पानी कम होने के चलते पर्याप्त पानी नहीं मिलता जिससे कि हम लोग पानी के लिए लगभग दो से तीन किलोमीटर की दूरी तय कर पानी ला कर अपनी प्यास बुझाते हैं। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से गांव तक शुद्ध पेयजल आपूर्ति किये जाने की लगातार मांग करते आ रहे हैं लेकिन जबाबदार अंजान बने हुए हैं जिसका खामियाजा यहां के ग्रामीण जनों को उठाना पड़ रहा है।

# मेंहदवानी में आधी आबादी को नहीं मिल रहा पीने का पानी

**मेंहदवानी।** विकास खंड मुख्यालय मेंहदवानी के भर्रा टोला में विगत एक वर्ष से नलजल योजना ठप्प है जिससे लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। भर्रा टोला के वाशिंदों को प्रतिदिन साईकिल, मोटरसाइकिल में एक दो किलोमीटर दूर से डिब्बों में पानी भरते देखा जा सकता है। लोगों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन डालते वक्त पुरानी पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था

तब से लेकर अब तक पानी नहीं पहुंचा है। जल जीवन मिशन अंतर्गत पाइप लाइन बिछा दिया गया है परन्तु अभी तक पानी सप्लाई नहीं किया जा रहा है। भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए परेशान देखे जा रहे हैं।

### गांव के लोग भी खड़ी कर रहे परेशानी

जिस मोहल्ले में पानी सुचारू रूप से सप्लाई हो रहा था उसे जेसीबी मशीन से तोड़ दिया गया है। जानकारी के अनुसार खेत सुधार के नाम पर कार्य कर रहे जेसीबी आपरेटर द्वारा लापरवाही पूर्वक ग्राम पंचायत के पाइप लाइन को तोड़ दिया गया था जिसकी जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली परिणामस्वरूप इस पाइप लाइन से पानी पर आश्रित लगभग 15-20 घरों तक पानी सप्लाई विगत एक माह से बंद है। परन्तु अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

# खुले में मीट विक्रय के विरुद्ध पुलिस और नायाब तहसीलदार की कार्रवाई

### प्रतिबंधक कार्रवाई और जप्ती को दिया अंजाम

**डिण्डौरी।** जिला मुख्यालय में निर्धारित स्थान के इतर जगह जगह खुले में मीट विक्रय के विरुद्ध रविवार को नायाब तहसीदार शशांक शेंडे और कोतवाली प्रभारी अनुराग जामदार ने कार्रवाई को अंजाम दिया है।शहर में चार जगहों पर दबिश देकर संयुक्त टीम ने चिकिन,मछली, मुर्गा मुर्गी सहित अन्य सामग्री जप्त करके

विक्रेता के विरुद्ध प्रतिबंधक कार्रवाई की है। गौरतलब है कि नगर में सब्जी मंडी में ही खुले में अवैध रूप से मीट बेचने वालों की शिकायतें प्रशासन को मिल रहीं थीं।जबकि प्रशासन ने मीट और मछली दुकान हेतु बायपास पर मार्किट आवंटित किया है।बाबजूद इसके कुछ मीट दुकानदार अबैध रूप से रोड किनारे और सब्जी मंडी में ही मीट,मछली विक्रय कर रहे थे।लगातार मिल रही शिकायतों और व्यवस्था के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस ने अबैध मीट दुकानदारों के विरुद्ध सख्त रबैया अपना लिया है।

# ग्राम पंचायत परसवाह में किया जा रहा सीसी रोड का घटिया निर्माण

**डिंडोरी।** आदिवासी जिला डिंडोरी निर्माण के लिए प्रयोग शाला बन गया है जिसे जहाँ जो मन आये निर्माण करने लगता है फिर चाहे वह नियम विरुद्ध क्यों न हो ? न कोई रोकने वाला न कोई टोकने वाला और न ही कोई जांच करने वाला , राम राज्य जो आ गया है । आप सोच रहेंगे की इतनी बातें क्यों लिखी जा रही हैं तो हम बताते है और आपको निर्माण का ऐसा नमूना जिले की एक पंचायत का दिखाते है जिसे देख आप भी हैरत में पड़ जाएंगे । दरअसल जिले के बजाग विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत परसवाह के पोषक ग्राम पच्छा टोला में लाखों रु की लागत से सीमेंट सड़क का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा हैं,किस मद से है और लागत कितनी है बताने वाला कोई नहीं। लेकिन सीमेंटेड सड़क के निर्माण में बड़े बड़े बोल्डर को जमीन में बिछाकर उसके ऊपर गिट्टी से मिक्स रेत सीमेंट का मिश्रण बिछाया जा रहा है वह भी रंजीत के घर से नदी तक शायद ! ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव ने मिलकर शायद इसका ठेका दे रखा है। अब ग्रामीण भी ऐसी सड़क को बनता देख ताज्जुब कर रहे है। सरपंच सचिव की ठेकेदार से मिलीभगत के चलते उपयंत्री भी मौन धारण किये हुए है और मुआयना करने की जहमत तक नही उठा रहे है। इस मामले को लेकर हमने बजाग जनपद

से सीईओ से फोन पर संपर्क करना चाहा तो उनका मोबाइल स्विचऑफ रहा।अब मामला मीडिया में आने के बाद सुर्खियों में आएगा तो देखना लाजमी होगा कि कार्यवाही किस इस्तर की होंगी,रामराज्य में सुधार की संभावना की उम्मीद तो ग्रामीण कर ही सकते है।

### 17 किलो 5 सौ ग्राम गांजा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

# 2 मोटर सायकल 3 मोबाईल बरामद, गाडासरई थाना पुलिस की कार्यवाई

डिंडौरी।

डिण्डौरी पुलिस अधीक्षक श्रीमति वाहिनी सिंह द्वारा थाना क्षेत्र मे अवैध गतिविधियो पर अंकुश लगाने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया था। उसी तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) डिण्डौरी के. के. त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना गाडासरई पुलिस द्वारा तीन गांजा तस्करो को धर दबोचा गया हैं। उनके कब्जे से लगभग 17 किलो 5 सौ ग्राम गांजा बरामद किया गया हैं। थाना गाडासरई से प्राप्त जानकारी मुताबिक रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम करौंदा तिराहा में तीन व्यक्ति दो मोटर सायकल से मादक पदार्थ गांजा को रखकर बेचे जाने के फिराक में हैं। जिसकी सूचना पर थाना गाडासरई पुलिस ने रेड कार्यवाही हेतु वैधानिक प्रक्रियाओं

का पालन करते हुये मौके पर पहुंची । पुलिस को आता देख तीनो आरोपी अपने अपने बाईक से भागने लगे किंतु गाडासरई पुलिस के द्वारा घेराबंदी कर तीनो बाईक सवारो को पकड़ लिया। और उनके पास मे रखे बैग की तलाशी ली गई तो कुल 17 किलो 540 ग्राम गांजा बरामद हुआ हैं। पुलिस द्वारा पकड़े गये आरोपियो में शरद यादव निवासी ग्राम सागरटोला, मुकेश कुमार सिंगौर निवासी ग्राम भोकाडोंगरी, चित्रसेन यादव निवासी ग्राम भोकाडोंगरी नाम बताये है। जिनके विरूद्ध थाना गाडासरई पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच मे लिया हैं। जब्त मादक पदार्थ गांजा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 2 लाख 55 हजार रुपए आंकी गई है। आरोपियो से 2 लाख कीमती के दो होण्डा साईन मोटर सायकल एवं 3 नग मोबाईल भी बरामद किया गया हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गाडासरई निरीक्षक दुर्गाप्रसाद नगपुरे, उप निरीक्षक धुरव कुमार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक बालमुकुंद चैरसिया, प्रधान आरक्षक हरनाम सिंह, प्रधान आरक्षक शिवकुमार झलपे, प्रधान आरक्षक रविन्द्र यादव, चालक प्रधान आरक्षक सिध्दू मरावी, प्रधान आरक्षक शिवकुमार पुषाम, आरक्षक आशिष लांजेवार, आरक्षक शैलेन्द्र सिंह, आरक्षक सतेन्द्र उइके, आरक्षक मुकेश उइके, आरक्ष्क राजा, सायबर सेल डिण्डौरी से प्रधान आरक्षक मुकेश प्रधान व सैनिक बुधराम व सुभाष की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# धार्मिक स्थलों से हटाए जाएंगे लाउड स्पीकर

**डिंडोरी।** मध्यप्रदेश में चुनाव खत्म होते ही धार्मिक स्थलों से लाउड स्पीकर उतारने को लेकर कार्रवाई शुरू हो गई है। शासन स्तर पर मिले निर्देशों के तहत कार्रवाई के पूर्व सभी धार्मिक समितियों के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को कोतवाली में आयोजित हुई।जिसमें सभी लोगों ने धार्मिक

स्थलों से लाउडस्पीकर निकालने पर सहमति दी है।इस दौरान नमाज और आरती के समय निश्चित आवाज में ध्वनिविस्तारक यंत्रों के उपयोग पर भी सभी राजी भी हुये।कोतवाल में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुऐ क्प्ड के के त्रिपाठी और नायाब तहसीलदार शशांक शेंडे ने लाउडस्पीकर से होने वाली हानियों की जानकारी देते हुये निश्चित ध्वनि और निश्चित संख्या में ही लाउडस्पीकर के उपयोग की अपील की है। इस दौरान कोतवाली प्रभारी अनुराग जामदार ने ऊंचे स्थानों पर स्थापित लाउडस्पीकर को नियमविरुद्ध बतलाते हुये, इनसे संभावित खतरों पर भी प्रकाश डाला।शासन के निर्देश के पालन हेतु धार्मिक समितियों और कमेटियों ने सहयोग का भरोसा दिया है।हालांकि पुलिस और प्रशासन ने समझाइश उपरांत भी निर्देशों के उल्लंघन पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। गौरतलब है कि प्रदेश शासन की मोहन यादव सरकार ने अपने पहले फैसले के तौर पर तेज ध्वनि में बज रहे लाउड स्पीकरों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश पारित किया था, जिसमें मंदिर मस्जिद सहित सभी धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर तेज गति से बजने वाले लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया था, जिसका सख्ती से पालन करवाया भी गया था। हालांकि, कुछ समय से देखने में आ रहा था कि लगातार प्रशासनिक अधिकारियों की सख्ती के बावजूद भी कुछ स्थानों पर तेज आवाज में लाउड स्पीकरों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसको लेकर रविवार को प्रशासन और पुलिस ने शहरी क्षेत्र में लाउड स्पीकर जांच करने के पूर्व सभी को समझाइश दी है।जानकारी के मुताबिक अगले चरण में ग्रामीण क्षेत्रों में भी धार्मिक स्थलों पर लगे लाउड स्पीकर को चेक करने का कार्य किया जाएगा और इनमें जो भी नियम विरुद्ध पाए जाएंगे, उन्हें उतार कर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सहित अशोक छाबड़ा, महेश पाठक, मुन्ना भाईजान, दुष्यंत पाठक, रजनीश राय, हबीबयार खान, यूसुफ खान, निजामुद्दीन अख्तर सहित सभी धार्मिक कार्यकर्ता, सामाजिक पदाधिकारी शामिल हुये।

## खबर संक्षेप

### गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी प्लांटों की जांच की

**नरसिंहपुर ।** कलेक्टर शीतला पटले के निर्देशानुसार गर्मी के मौसम को देखते हुए में संचालित पानी के प्लांट का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता द्वारा किया गया जिसमें पानी की बोतल पैक करने वाले संस्थान नित्य बेवरेजेस और सोनी जल इंडस्ट्री का निरीक्षण किया गया जहां टीडीएस एवं आईएसआई मार्क की जानकारी प्राप्त कर जांच की गई साथ ही साथ पानी के केन उपलब्ध कराने वाले संस्थान जैसे जैन जल दादा महाराज पानी प्लांट आदि का निरीक्षण कर स्वच्छ एवं मानक युक्त जल उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिए गए।

### 6 से 10 जून तक पं. धीरेन्द्र शास्त्री करेंगे हनुमंत कथा

**नरसिंहपुर ।** जिले में आयोजित होने जा रहे अब तक से सबसे बड़े धार्मिक आयोजन मे लाखों की संख्या मे भक्तों का पहुंचना तय है। उक्त संबंध मे आयोजन समीति द्वारा पत्रकारों से चर्चा करते हुये बताया कि 6 से 10 जून तक श्री हनुमंत कथा का आयोजन समीपी ग्राम नवलगांव मे किया जा रहा है जिसमें कथा व्यास पंडित धीरेन्द्र शास्त्री जी महाराज बागेश्वर धाम द्वारा प्रतिदिन लाखों भक्तों को कथा का रसपान कराया जावेगा। समीति द्वारा बताया गया कि 8 जून को दिव्य दरबार का आयोलन भी किया जावेगा तथा आने जाने की सुविधा के लिये पहुंच मार्ग चार दिशाओं से बना गया जिसमे तीन मार्ग सामान्य तथा एक वीआईपी तथा विकलांगों व प्रशासन के लिये आरक्षित रखा गया है। कलश यात्रा 6 जून को निकाली जावेगी जो प्रातः 8 बजे सदर मढिया से छिंदवाड़ा ओवर ब्रिज हनुमान मंदिर तक जायेगी तथा 11 हजार महिलायें कलश रखेंगी। कथा स्थल पर भक्तों के लिये सभी व्यवस्थाये उपलब्ध उसके साथ अति आवश्यक दवाईयां तथा भंडरा आदि व्यवस्था रहेगी । उक्त मौके पर आयोजन समीति के सभी सदस्य मौजूद रहे।

### सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

**नरसिंहपुर।** जिला मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर स्थित हरई थाना अंतर्गत बड़सलैया निवासी महेश पिता सुखमन धुर्वे उम्र 22 वर्ष बाइक से हर्रई से घर लौट रहा था उसी दौरान बम्होरी शक्कर नदी के पास बाईक ने उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया वहीं स्थानीय लोगो की मदद से 108 एम्बुलेंस से उसे हर्रई स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां से उसे नरसिंहपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया जहां डॉक्टर ने गम्भीर स्थिति देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया वहीं एम्बुलेंस ले जाते समय दादा महाराज के पास उसकी मौत हो गई। शव को जिला अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया और अस्पताल चैकी पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

### सर्पदंश से व्यक्ति की मौत

**नरसिंहपुर।** जिले के मुंगवानी थाना अंतर्गत आने वाले रोहिया निवासी को अंगूठे में सांप ने काट दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार प्रदीप धूर्वे पिता होतीलाल धुर्वे उम्र 30 वर्ष अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था उस दौरान उसे जहरीले सांप ने काट दिया वहीं परिजनों के द्वारा उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया वहीं अस्पताल चैकी पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है जिससे उसका अंतिम संस्कार किया जा सके।

# अवैध कटाई पर रोक लगाने की मांग

## सूचना के दो दिन बाद भी जांच नहीं करा पाये रेंजर

जिले मे वन संपदा का अवैध दोहन निरंतर जारी है आये दिन वनों को काट जाने की जानकारी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त होती रहती है । वही वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को सूचना दिये जाने के बाद भी कार्रवाई ना किया जाना कई संदेहों को जन्म देता है ।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

वनों की कटाई के संबंध मे वन परिक्षेत्र बरमान के गुरसी वीट का सामने आया जिसमें जानकारी के बाद भी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा जांच नही कराई गई ।

### मामला इस प्रकार

वन परिक्षेत्र बरमान अंतर्गत आने वाली गुरसी वीट में अवैध कटाई की जानकारी प्राप्त हुई जिसकी सूचना वन परिक्षेत्र अधिकारी को दी गई उसके उपरांत कोई कार्रवाई नहीं की गई । वही उक्त मामले को लेकर बीते दिवस ग्रामीणों द्वारा अवैध कटाई को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया था जिस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई । वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा सूचना पर कार्रवाई ना किया जाना कई संदेहों को जन्म देता है। वही ग्रामीणों की माने तो प्रशासन के जिम्मेदार कर्मचारियों व अधिकारियों की मिली भगत के कारण ही अवैध कटाई होती है।

### नाकेदार की मिलीभगत

ग्रामीणों से हुई चर्चा के दौरान बताया गया कि प्रशासन के जिम्मेदार वन कर्मी द्वारा अवैध रूप से साठगांठ कर वन संपदा का दोहन कराया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो नाकेदार द्वारा ग्रामीणों के साथ सांठगांठ कर अवैध रूप से वृक्षों को कटवाया जाता है । हालांकि गुरसी वीट चिनकी बैराज परियोजना के तहत डूब क्षेत्र मे आने वाले वृक्षों को भी काटा जा रहा है जिसकी परमिशन प्रशासन द्वारा स्वीकृत की जा चुकी है। वही दूसरी तरफ डूब क्षेत्र के दूसरी तरफ वृक्षों की कटाई होने से लोगों के मन में संदेह उत्पन्न हो रहा है।

### ईंट भट्टों में समा रहे हरे वृक्ष

क्षेत्र मे लगने वाले ईंट भट्टों मे बड़ी संख्या मे लकड़ी का उपयोग किया जाता है। वही ईट भट्टों के संचालकों द्वारा जंगलों से लकड़ी कटवा कर लगाई जाती है । उक्त कार्य मे भी वन विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों की महत्ती भूमिका होती है । ठेकेदारों द्वारा वन कर्मियों से अवैध लेनदेन कर जंगलो से लकड़ी लाई जाती है। वही बताया जता है कि भट्टे मे उपयोग की जाने वाली लकड़ी खेतो मे लगे वृक्षों को काटकर उपयोग की जा रही है । प्रशासन को चाहिये की भट्टों की जांच कर उचित कार्रवाई करे जिससे वन संपदा को बचाया जा सके ।

### इनका कहना है

गुरसी वीट मे कटाई के संबंध मे आपके द्वारा मुझे जानकारी दी गई है मै इसकी जांच कराता हूं जो भी दोषी पाया जाएगा विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी ।

**गौरव बानखेड़े , रेंजर बरमान**

# सीईओ जिपं ने ली निःशुल्क कक्षाओं की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय नरसिहपुर में निशुल्क जेईई व नीट परीक्षा मार्गदर्शन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। मार्गदर्शन कक्षाओं को उत्कृष्ट व सफल बनाये रखने के लिए सीईओ जिला पंचायत दिलीप कुमार ने विषयवार नोडल अधिकारियों के साथ उत्कृष्ट विद्यालय नरसिहपुर में समीक्षा बैठक ली। जिला प्रशासन द्वारा संचालित की जा रही निः शुल्क कोचिंग के नवाचार की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने विगत दिनों की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्र- छात्राओं द्वारा कक्षाओं में मिल रहे रिस्पांस, विषय प्रभारियों द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा हेतु नियमित शिक्षण कार्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों एवं प्रभारियों की विषय संबंधी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर लाइब्रेरी खोलने, विषयवार यूनिट के प्रश्न बैंक तैयार कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने, टॉपिक पूर्ण होने पर ओएमआर शीट तैयार कर टेस्ट लेने, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को कैसे तैयार करें और कक्षाओं के सफल संचालन पर विस्तृत चर्चा कर सुझाव लिये और आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान परीक्षा मार्गदर्शन नोडल अधिकारी उत्कृष्ट प्राचार्य जीएस पटेल, प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव, रामनरेश रावत, दीपक अग्निहोत्री, अभिनव लखेरा, बालकृष्ण चैधरी, मनीष शर्मा, राजा ठाकुर और अलग-अलग विषयों के प्रभारी मौजूद थे।

# रीवा को हराकर नरसिंहपुर ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।** अम्बाह (मुरैना) में आयोजित 69वीं राज्यस्तरीय पुरुष एवं महिला व्हालीबॉल प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में नरसिंहपुर जिले की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में रीवा को 2-0 से पराजित कर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में प्रवेश किया। खिलाड़ियों को सतत मार्गदर्शन करने वाले व्हालीबॉल जोनल सेक्रेट्री मनीष कटारे, मध्य प्रदेश व्हालीबाल संघ कोषाध्यक्ष मृदुलेश दुबे, कोच शाकिर हुसैन, नवनीत पटेल, नीरज पटैल, रोहित विश्वकर्मा, विजय सेन द्वारा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने के साथ- साथ द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया जा रहा है। वहीं बालिका टीम क्वार्टर फाइनल में मुरैना से 2-1 से हारी।

## जल संरचनाओं को मूर्तरूप देने की जरूरत

**तेंदूखेड़ा-** जल संरक्षण और पानी सहेजकर जमीनी जल स्तर बढाये जाने की दिशा में जल संरचनाओं को मूर्तरूप दिये जाने की महती आवश्यकता है।कोरे गाल बजाने और ढिंढोरा पीटकर कागजी घोड़े दौड़ाने की खानापूर्ति, और विभिन्न नदियों पर बांध बनाये जाने की घोषणायें भी खूब की गई है। लेकिन अब इन्हें अमल में लाने की जरूरत है।तेंदूखेड़ा क्षेत्र के साथ हमेशा से चल रहे उपेक्षित नजरिये के कारण वर्षो से आस लगाये बैठे लोगों की जामुनपानी, भौंरपानी, पहाड़ियों के बीच एक जलाशय योजना केवल राजनैतिक इच्छाशक्ति के अभाव में फाइलों में ही दफन हो गई। स्थानीय नागरिकों और सजग वर्ग द्वारा जरुर समय-समय पर यह विषय उठाया गया लेकिन उनकी आवाज भी नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह गई।भौंरपानी जलाशय दो दशक पूर्व से ही पानी की कमी के चलते इसकी उपयोगिता कृषि क्षेत्र के लिए पानी उपलब्ध कराने फिर जमीनी जल स्तर बढ़ाने के लिए दूरदर्शी सोच के साथ यह विषय उठाया गया था। जैसे तैसे संबंधित पीएच ई विभाग के अधिकारियों ने वेमन से जब फाइलें दौड़ाना प्रारंभ की गई तो बीच में वन मंत्रालय का रोड़ा आने फिर उसकी भी मंजूरी मिलने तक समय निकल गया। मंजूरी मिलने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि इस जलाशय के निर्माण होने के उपरांत लगभग 1350 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी दो नहरें भी बनेंगी जिससे आलनपुर ढिलवार और काचरकोना तक की कृषि भूमि को सिंचित किया जा सकेगा।गतिविधी प्रारंभ होने और स्वीकृति के पूर्व ही ऊर्जा विभाग की सिवनी से बीना तक बड़ी हाई-टेंशन लाइन का एक खंबा इस जलाशय के डूब क्षेत्र में आ जाने के कारण फिर सब दिन चले अढ़ाई कोस की स्थिति बनी और आज भी केवल भौंरपानी जलाशय सपना बनकर रह गया। बड़ी लाइन के खंबे खड़े होते समय ही तत्कालीन जनप्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक प्रयास हो जाते तो शायद आज जलाशय मूर्त रूप ले लेता। यदि यह जलाषय मूर्तरूप ले लेता है तो जहां हजारों एकड़ जमीन सिंचित होगी, वहीं जमीनी जलस्तर बढने से आये दिन होने वाली पानी की समस्या से भी निजात मिल सकेगा।

**नदियों पर नहीं बन पा रहे स्टाप डेम**

आज जमीनों की कोख से सर्वाधिक पानी तो खींचा जा रहा है और नर्मदा नदी से पानी लाकर प्यास बुझाई जा रही है लेकिन जल स्तर बढ़ाने की दिशा में कोई उचित व्यवस्था नहीं हो पा रही है। यदि इसी तरह से दोहन होता रहेगा तो निश्चित तौर पर आने वाले समय में हाथ मलने के अलावा और कुछ नहीं रह जायेगा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बरांझ पांडाझिर और सिंदूर नदी लगभग नर्मदा उत्तराखंड के बहुत बड़े भूभाग को कबर करतीं हैं।इन पड़ोसी नदियों पर स्टाप डेम बनाने की मांग जिला मुख्यालय से लेकर विधानसभा तक गई लेकिन वही राजनैतिक इच्छाशक्ति और श्रेय लेने की राजनीति बाधक बनने के कारण इन नदियों पर स्टाप डेम सर्वे होने के बाद भी नहीं बन सके। तीनों नदियों पर स्टाप डेम वनने से आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के हेंडपंपो और ट्यूव वेलों का जमीनी जल स्तर भी बढ़ सकता था। लोगों को निस्तार के लिए पानी और मवेशियों जंगली जानवरों की प्यास भी बुझती लेकिन आज तक इस दिशा में शासन प्रशासन के द्वारा कोई उचित पहल नहीं की गई।स्वयं के खर्च पर खमरिया के समीप क्षेत्रीय विधायक ने वरांझ नदी पर एक स्टाप डेम बनवाया था जिसकी सुखद स्थिति वहां के लोगों को मिल रही है नदी में अभी भी पानी रहने के साथ हेंडपंपो में पानी निकल रहा है।

**जमीनी जल स्तर बढ़ाने हों सामूहिक प्रयास**

लगातार धरती के सीने मे खोदे जा रहे बड़ी संख्या मे गड्ढों और सिंचाई के कारण गिरते जमीनी जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयास नहीं किये गये तो यह समस्या हम सब की गले की फांस बन जायेगी। कुछ प्रयास स्थानीय स्तर पर भी स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से जनभागीदारी से अभियान चलाकर किये जा सकतें हैं। हेंडपंपो के किनारे या बहते हुए पानी को सोकपिट बनाकर जल-संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। कुछ समय पहले नगर परिषद के तत्कालीन मुख्यनगर पालिका अधिकारी द्वारा कुछ जन प्रतिनिधियों के साथ जाकर वस्तु स्थिति का जायजा लिया था लेकिन इस दिशा मे कोई उचित पहल नहीं हो सकी है।

# धर्मगुरूओं एवं साउंड सिस्टम संचालकों को दी गयी समझाईश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के निर्धारित मापदंड अनुसार साउंड के संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों की जानकारी हेतु धर्मगुरूओं एवं साउंड सिस्टम संचालकों को दी गयी समझाईस एवं जिला स्तर पर निर्धारित मापदंड अनुसार साउंड नही पाए जाने पर 30 लॉउड स्पीकर हटाए गए। उल्लेखनीय है कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों के निर्धारित मापदंड अनुसार साउंड के संबंध में शासन द्वारा जारी निर्देशों का जिले में पालन सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक, अमित कुमार द्वारा जिले के सभी एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने क्षेत्र में अभियान चलाया जाकर धर्मगुरूओं एवं साउंड सिस्टम संचालकों को समझाईस दे एवं शासन द्वारा जारी नियमों का पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।

जिले के सभी थाना क्षेत्रों में सभी एसडीओपी एवं थाना प्रभारी द्वारा अपने-अपने क्षेत्र धर्मगुरूओं एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने वालों को समझाईस देकर शासन द्वारा जारी निर्देशों से पुनः अवगत कराया गया एवं बताया गया कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित डेसीबल एवं गाइडलाइन के अनुरूप एवं अनुविभागीय अधिकारी की अनुमति के बगैर ना करें। शादी ब्याह एवं अन्य कार्यक्रमों में जहां डीजे साइड सिस्टम का उपयोग होता है उसकी अनुमति ली जाकर ही उपयोग किया जाए। रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तय समय में ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के निर्धारित मापदंड अनुसार साउंड में उपयोग की जांच हेतु संबंधित क्षेत्रान्तर्गत अधिकारियों द्वारा जांच की जाएगी। शासन के दिशा निर्देशों के पालन तथा दिशा निर्देशानुसार ही ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग करने तथा बगैर अनुमति ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी गई। जिला स्तर पर निर्धारित मापदंड अनुसार साउंड नही पाए जाने पर 30 लॉउड स्पीकर हटाए गए । अभियान के तहत जिले के सभी थाना क्षेत्रों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण किया गया एवं धार्मिक स्थालों की चैकिंग की गयी एवं जिन स्थानों पर शासन के दिशा निर्देशों के पालन किया जाना नही पाये से विभिन्न धार्मिक स्थानों से 30 लॉउड स्पीकर हटाए गए है।

# नर कंकाल मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी

हरिभूमि न्यूज- नरसिंहपुर।

जिले के सुआतला थाना अंतर्गत आने वाले गांव देवरी से बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। देवरी गांव के नरवर सिंह पटेल के खेत में लगी गन्ने की फसल में एक नर कंकाल का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। वहीं जानकारी के हिसाब से यह नरकंकाल 6 से 7 दिन पुराना बताया जा रहा है वहीं पुलिस के अनुसार उसके शरीर पर पहने हुए कपड़े से वह पुरुष जैसा प्रतीत हो रहा है वहीं अभी नरकंकाल की पहचान नहीं हो पाई है कि उसका नाम क्या है और वह निवासी कहां का है सुआतला थाना पुलिस जांच में जुट गई है।